शुष्क क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाओं पर किसानों को प्रशिक्षण

तीन-जी-शुष्क क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाओं पर कृषक प्रशिक्षण को राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार सिंह ने संबोधित किया।

- **केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा विश्वविद्यालय के अधीन 47 लाख रूपए की परियोजना स्वीकृत की**
- **बांस खेती प्रोजेक्ट के तहत किसानों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 10-10 पौधे दिए जायेंगे**

बीकानेर, (कासं)। शुष्क क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाओं के संबंध में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग सभागार में आयोजित प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और भूमि संरक्षण के साथ-साथ भूजल स्तर बढ़ाने में बांस का पौधा प्रकृति की अनुपम देन है। शुष्क क्षेत्र में बांस की संभावनाओं पर काम करने के लिए केन्द्र सरकार के कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा प्रायोजित इस प्रोजेक्ट के तहत यहां के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आजीविका के नए आयाम विकसित करने के साथ-साथ बांस का पौधा पर्यावरण संरक्षण के लिए भी उपयोगी है। विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने, न्यूनतम लागत में अधिकतम लाभ और कृषि तकनीक हस्तांतरण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। बांस खेती प्रोजेक्ट के तहत किसानों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 10-10 पौधे दिए जायेंगे। विश्वविद्यालय वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में कृषक इन पौधों की निगरानी करें और मिलने वाले परिणाम के संबंध में विश्वविद्यालय को अवगत करवाएं।

वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि खेती के नवाचार बदलते समय की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में टनल तकनीक खजूर की खेती से कम पानी के बावजूद अच्छी उपज प्राप्त करने का एक बेहतरीन उदाहरण है। बांस प्रोजेक्ट के माध्यम से भी यही प्रयास किया जा किया जा रहा है। बांस का पौधा इकोसिस्टम को संतुलित रखने, माइक्रो क्लाइमेट जनरेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पानी और भूमि को बचाना कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के समक्ष एक बड़ी चुनौती है ऐसे में नवाचारों का फायदा किसानों को मिले इस दिशा में विशेष प्रयास हों।

निदेशक अनुसंधान डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत 6 ऐसी किस्मों का चयन किया गया है जो यहां के शुष्क वातावरण में फिजीबिलिटी दिखा रही है। बांस का पौधा फर्नीचर, कागज उद्योग के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन को रोकने में भी अहम भूमिका निभाता है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता तथा परियोजना प्रभारी डॉ पी. के. यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा विश्वविद्यालय के अधीन 47 लाख रूपए की परियोजना स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के तहत बांस की विभिन्न किस्मों का शुष्क मरूस्थलीय परिस्थितियों में खेती पर अनुसंधान किया जा रहा है। इसके तहत एक विशेष एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें 10 गांवों से 25 किसानों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

अधिष्ठाता मानव संसाधन विभाग डॉ दीपाली धवन ने उपस्थित किसानों और अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के इंजीनियर जे. के. गौड़, डॉ नीना सरीन, डॉ निर्मल सिंह दहिया सहित अन्य निदेशक, अधिष्ठाता तथा किसान उपस्थित थे। प्रशिक्षण में आये किसानों ने वैज्ञानिकों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाएं रखी। जितेन्द्र कुमार गौड़ ने बूंद बूंद सिंचाई पर विशेष व्याख्यान दिया गया।

वहीं राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के पशु आपदा प्रबंधन तकनीकी केन्द्र एवं राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'सतत बकरी पालन के लिए क्षमता निर्माण: कौशल और ज्ञान संवर्धन' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को शुरू हुआ।

प्रेक्षा ध्यान शिविर

बीकानेर,(कासं)। आचार्य तुलसी समाधी स्थल पर एक दिवसीय आवासीय प्रेक्षा ध्यान शिविर का आयोजन उग्र विहारी तपो मूर्ति मुनि कमल कुमार के सानिध्य में आयोजित किया गया।

सुबह 6:00 से रात 8:30 तक प्रेक्षा ध्यान के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रशिक्षक संजू लालाणी व धीरेंद्र बोथरा द्वारा आसन, प्राणायाम, कायोत्सर्ग व ध्यान के विभिन्न प्रयोग कराये गए। इस शिविर में 71 शिविरार्थियों ने पूरी तन्मयता से भाग लिया। सभी शिविरार्थियों ने साधना काल में मुनि श्री की प्रेरणा से समय का उपयोग किया। मुनिश्री ने सभी शिविरार्थियों को अपने उद्बोधन में अपने शरीर को स्वस्थ रखते हुए आत्मा को परमात्मा कैसे बनाया जाए। इसके लिए संयम के साथ अपने कार्य करते हुए तप, जप और ध्यान करने की प्रेरणा दी।

भोगवादी प्रवृत्ति से दूर रहकर तप, संयम से अपने जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा दी। शिविर में जो कुछ सिखाया जाता है, उसको घर पर भी निरंतर चालू रखने की प्रेरणा दी। निरन्तरता होगी तभी लोगों की शिविर में आने की सार्थकता सिद्ध होगी। इस शिविर में 500 से अधिक ने भाग लिया। इंद्रचंद सेठिया ने सहिष्णुता के बारे में बताया। संसार में एक शक्ति है तो वह है सहिष्णुता जो प्रेक्षा ध्यान से पल्लवित होती है। सुरेन्द्र भूरा ने वर्षीतप का संकल्प लिया और 3 महीने मिठाई का त्याग किया। मोनिका ने कहा कि ध्यान से भेद विज्ञान का अनुभव हुआ।

सार-समाचार

पशु चिकित्साकारियों को प्रशिक्षण

पशुचिकित्सा अधिकारियों को पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित प्रबंधन और निस्तारण का प्रशिक्षण दिया।

बीकानेर, (कासं)। पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट निस्तारण तकनीकी केन्द्र, राजुवास बीकानेर द्वारा पशुपालन विभाग के बीकानेर एवं चूरू जिले के पशु चिकित्सा अधिकारियों को पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित प्रबंधन और निस्तारण विषय पर सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए केन्द्र की प्रमुख अन्वेषक डॉ. दीपिका धूड़िया ने कहा कि जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित निस्तारण एवं प्रबंधन के प्रति जागरूकता चिकित्सकीय कार्य करने वाले चिकित्सा अधिकारियों में होना अत्यंत आवश्यक है। जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट आज के समय विश्व की बड़ी समस्या है तथा इसके उचित निस्तारण में जरा सी लापरवाही बहुत से रोगों को बढ़ावा दे सकती है तथा वातावरण को प्रदूषित कर सकती है। डॉ. देवेन्द्र चौधरी ने प्रशिक्षणार्थियों को जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित निस्तारण के नियम और प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. एवं प्रशिक्षणार्थियों को बायोमेडिकल अवशेष के उचित निस्तारण पर व्याख्यान व प्रायोगिक ज्ञान प्रदान किया। प्रशिक्षण के समापन पर डॉ. गीता बेनीवाल, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, बीकानेर एवं निदेशक अनुसंधान, राजुवास प्रो. बी.एन. श्रृंगी के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

राधा-कृष्ण पर फूलों की बारिश

कल्ला कोठी में फागोत्सव में श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण को फूलों की होली खेलाई।

बीकानेर, (कासं)। देवीकुंड सागर स्थित कल्ला कोठी में चल रही रासलीला के सातवें दिन फाग उत्सव का आयोजन किया गया। वृन्दावन से आये कलाकारों ने मंच पर बृज की प्रसिद्ध होली फाग महोत्सव का मनमोहक मंचन किया। फाग महोत्सव में राधा कृष्ण को फूलों की होली खेलाई गई। कैलाश आचार्य ने बताया इस आयोजन के लिए दो क्विंटल फूल मंगवाए गए थे। रासलीला में कृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का मंचन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने राधा कृष्ण को फूलों की होली खिलाई। श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण पर फूलों की बारिश की। इस दौरान रंग-बिरंगे परिधान में श्री कृष्ण ने राधा व गोपियों के साथ रास रचाया। मनमोहक नृत्य के साथ बरसाने की होली खेली गई। भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने फूलों की बारिश की। पूरा पंडाल राधे कृष्ण के जयकारे से से गूंज उठा। रासलीला में सप्ताह भर से कृष्ण जन्म, गोवर्धन लीला, माखन चोरी, सुदामा मिलन, कंस वध सहित अन्य लीलाओं का मंचन किया गया। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव मंचन देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

गर्भवती महिलाएं सोनोग्राफी के लिए 300 मीटर चलने को मजबूर !

- **पीबीएम अस्पताल में कुप्रबंधन की पीड़ा प्रसूताओं को झेलनी पड़ रही है**
- **पीबीएम में भर्ती प्रसूताओं को अगर दोपहर 2 बजे के बाद सोनोग्राफी करानी हो तो 300 मीटर दूर 22 नंबर सोनोग्राफी रूम में जाना पड़ता है**

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में कुप्रबंधन का ऐसा आलम है कि प्रसव पीड़ा से कराह रही महिलाओं को भी 400 कदम चलकर सोनोग्राफी के लिए जाना पड़ता है।

यह पीड़ा सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी है, क्योंकि जब एक महिला प्रसव की पीड़ा झेल रही होती है, तब उसे आराम की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, ना कि अस्पताल के गलियारों में दर-दर भटकने की। पीबीएम अस्पताल के जनाना अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं को अगर दोपहर 2 बजे के बाद सोनोग्राफी करानी हो तो उन्हें 400 कदम दूर 22 नंबर सोनोग्राफी रूम में जाना पड़ता है। सोनोग्राफी होने के बाद उन्हें वापस लेबर रूम लौटना होता है। यानी 700-800 कदमों का सफर। इतनी शारीरिक वेदना में यह दूरी किसी सजा से कम नहीं है। ट्रोमा सेंटर में सोनोग्राफी मशीन का इस्तेमाल न किया जाना न केवल मरीजों के साथ अन्याय है बल्कि यह स्वास्थ्य मानकों और ट्रोमा सेंटर गाइडलाइंस की भी अवहेलना है।

पीबीएम अस्पताल में सुविधाओं का ढांचा तो मौजूद है, लेकिन मैनजेमेंट की लापरवाही से मरीजों को फायदा नहीं मिल रहा। प्रसव पीड़ा में एक महिला के लिए हर कदम भारी होता है। लेकिन अस्पताल प्रबंधन के लिए यह समस्या कोई मायने नहीं रखती। आखिर कब तक मरीजों को इस अव्यवस्था का शिकार होना पड़ेगा। यह सवाल अब केवल मरीजों का नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य विभाग के लिए एक चेतावनी है। अस्पताल से अलग नहीं हैं। यह केन्द्र गंभीर एक्सीडेंट और आपातकालीन मरीजों के लिए बना है। लेकिन यहां सोनोग्राफी मशीन होने के बावजूद इस्तेमाल नहीं होती। गंभीर मरीजों को सोनोग्राफी के लिए पुरानी बिल्डिंग के 22 नंबर रूम भेजा जाता है, जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। मरीजों को महंगी दरों पर निजी क्लीनिकों में सोनोग्राफी करवानी पड़ती है। ट्रोमा सेंटर में 247 सोनोग्राफी सेवा उपलब्ध होना अनिवार्य है। लेकिन यहां मशीन होने के बावजूद मरीजों को राहत नहीं मिल रही है। खासकर गर्भवती महिलाओं को 300 मीटर पैदल चलकर सोनोग्राफी कराने में परेशानी होती है।

महिला के गले से मंगलसूत्र तोड़ ले गए बदमाश

बीकानेर, (कासं)। महिलाओं के गले से चैन स्नेचिंग की वारदात लगातार बढ़ रही है। अब जयनारायण व्यास कॉलोनी में दिन-दहाड़े बाइक सवार बदमाश महिला के गले से मंगलसूत्र खींचकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद सीसीटीवी खंगाले।

तिलक नगर में रहने वाले गोपी किशन बिश्नोई ने जेएनवीसी पुलिस थाने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि वह सुबह अपनी पत्नी के साथ गया था। इस दौरान रानी बाजार में मंगल पांडे सर्किल पर खड़ा था। बाइक पर सवार युवकों ने अचानक आकर उसकी पत्नी के गले से सोने का मंगलसूत्र तोड़ लिया और भाग गए। पीछा किया लेकिन वो हाथ नहीं आए। जेएनवीसी पुलिस ने हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह को जांच सौंपी। पुलिस ने इस क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए हैं, जिसमें युवक का चेहरा या फिर गाड़ी नंबर पकड़ में आने पर कार्रवाई की जा सकेगी। फिलहाल मामला दर्ज होने के 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली है।

गुरूद्वारा में चोरी करने वाला गिरफ्तार

- **खाजूवाला में एक गुरूद्वारा में चोरी की वारदात कैमरे में कैद हो गई**

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में स्थित एक गुरूद्वारा से युवक ने हजारों रूपए निकाल लिए। ये सारी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसके आधार पर पुलिस ने तीस साल के एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कस्बे में स्थित एक गुरूद्वारे में जब सुबह लोग पहुंचे तो वहां गुल्लक खाली दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज देखे तो उसमें साफ हो गया कि एक युवक ने गुरूद्वारे में प्रवेश करके वहां से रूपए निकाल लिए हैं। सीसीटीवी में वह वीडियो में रूपये निकालता साफ नजर आ रहा है। महज एक मिनट में उसने पूरा गुल्लक ही साफ कर दिया। उसे ये पता ही नहीं चला कि सारा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो रहा है। इसके बाद से क्षेत्र के लोगों ने में काफी नाराजगी थी।

पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने कुछ ही घंटों की मशक्कत के बाद राजेंद्र बावरी (30) को गिरफ्तार कर लिया। राजेंद्र को अदालत में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। राजेन्द्र खाजूवाला के एक केजेडी गांव का रहने वाला है। पूछताछ में उससे और भी चोरियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

बच्ची को कुत्ते ने नोंचा : बीकानेर शहर में न्यायालय परिसर के करीब महंत जी के डेरे के पास एक 6 साल की बच्ची को एक स्ट्रीड डॉग ने जगह-जगह से नोंच डाला। बच्ची के सिर से चेहरे पर 21 टांके आये हैं।

पवन सिंह राजपुरोहित की 6 साल की बेटी मन्नत सुबह 9 बजे अपने घर के बाहर खेल रही थी। बाहर से कोई स्ट्रीड डॉग आया और आते ही बच्ची पर अटैक कर दिया। बच्ची गिर पड़ी तो उसे नोंचने लगा। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर जब तक लोग आये तब तक वो लहूलुहान हो चुकी थी।

कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता

- **आयोजित होने वाली विभिन्न खेल गतिविधियों की रूपरेखा की जानकारी दी**

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 23 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता सोमवार से प्रारंभ हुई।

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि सभी खिलाड़ी खेल की भावना से इन प्रतियोगिताओं का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं से स्टाफ में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता रहती है और वे निरंतर खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेलों की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने भी खिलाड़ियों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी. एस. आचार्य, महेंद्र सिंह राठौड़, रतन सिंह शेखावत व अन्य निदेशक व शैक्षणेत्तर कर्मचारी व खिलाड़ी उपस्थित रहे। निदेशालय छात्र कल्याण के निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने आयोजित होने वाली विभिन्न खेल गतिविधियों की रूपरेखा की जानकारी दी।

श्याम भक्तों की भीड़ उमड़ी

नोखा, (कासं)। सुजानगढ़ रोड स्थित श्याम मंदिर में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। सूर्योदय के साथ ही मंदिर में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया। हजारों की संख्या में श्याम भक्त बाबा के दर्शन के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं।

पीले वस्त्र धारण किए महिलाएं और पुरूष खाटू नरेश के दर्शन कर अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। भक्तगण इत्र, पुष्प और विभिन्न पूजन सामग्री से बाबा की आराधना में लीन हैं। मंदिर परिसर में उमड़ी भीड़ से बाहर मेले जैसा माहौल बन गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। भक्तों की सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया है। मंदिर के आसपास के क्षेत्र में दुकानदारों ने पूजा सामग्री की दुकानें लगाई है।

बीकानेर में देर रात तक चली 'नौटंकी शहजादी रम्मत'

बीकानेर, (कासं)। होली की रंगत अब परवान पर है। बिस्सों के चौक में देर रात तक चली 'नौटंकी शहजादी रम्मत' के दौरान माता के रूप में बच्चा मंच पर पहुंचा तो हजारों लोग उसकी एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े। रात करीब दो बजे शुरू हुई रम्मत सोमवार सुबह नौ बजे तक भी अनवरत चलती रही। हर साल की तरह इस बार भी रम्मत देखने के लिए परकोटे और परकोटे से बाहर के लोग पहुंचे। आस-पास के मोहल्लों तक में रास्ता जाम हो गया।

आशापुरा नाट्य एवं कला संस्थान की देखरेख में देवी आशापुरा माता के बाल स्वरूप के रमणसा उस्ताद के अखाड़े में अवतरण के साथ ही रम्मत शुरू हो गई। बिस्सों के चौक में जैसे ही माता का दर्शन शुरू हुआ तो आशापुरा मैया के जयकारे लगे। भक्तों ने मां की स्तुति कर प्रसाद चढ़ाया।

रम्मत के इस लोक नाट्य में भाभी के ताने 'देवर हकूमत आपकी हम पर सही न जाए.., देते सो दीजौ मति मुझे परवाह.., आपकी खिदमतगारी करेगी ब्याही नारी, जो तन्खा तुमरी पावे, अष्ट पहर, हर घड़ी पेशवाही में वोही आवे। दरअसल भाभी अपने देवर से कहती है कि वो उनकी हर बात नहीं मान सकती। आपकी पत्नी आपका वेतन लेगी तो बात भी वो ही सुनेगी। इतनी बात सुनकर देवर घर से निकल जाता है। पंजाब के सियालकोट के राजा फूल सिंह की इस कहानी को मंच पर रात भर मंचित किया जाता है। भाभी की बात से नाराज भाई अब अपने बड़े भाई की बात भी नहीं सुनता और घर छोड़कर चला जाता है। वो मुल्तान पहुंचकर वहां की शहजादी को आकर्षित करता है। उससे शादी करने पहुंच जाता है। नौटंकी शहजादी में आदित्य नारायण पुरोहित ने आशापुरा माता, हर साल की तरह कृष्ण कुमार बिस्सा ने पंजाबी उर्फ फूल सिंह, इंद्र कुमार बिस्सा ने भाई, मनोज कुमार व्यास ने नौटंकी शहजादी, विकास पुरोहित ने मलिन का रोल किया। प्रेम गहलोत ने भाभी, रविन्द्र बिस्सा ने कोतवाल, महेंद्र बिस्सा ने यार की भूमिका निभाई। हर्षों के चौक में हर्षों-व्यासों का पानी का खेल होगा।

कांग्रेस में निष्क्रिय कितना भी बड़ा हो अब उन्हें संगठन से हटायेंगे : चिरंजीव राव

बीकानेर शहर कांग्रेस कार्यालय में एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव व राजस्थान के प्रभारी चिरंजीव राव ने कांग्रेसजनों की बैठक को संबोधित किया।

- **राजस्थान के प्रभारी चिरंजीव राव ने कहा कि अब सड़कों पर संघर्ष करने वालों को तरजीह दी जायेगी**

बीकानेर,(कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान के प्रभारी चिरंजीव राव ने सोमवार को बीकानेर शहर कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेसजनों की बैठक ली।

चिरंजीव राव ने बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने तय किया है कि कांग्रेस अब 'जय बापू-जय संविधान' के रास्ते पर चलेगी। पार्टी में उनका ही मनोनयन पदाधिकारी के रूप में होगा जो सड़कों पर संघर्ष करेगा। जो नाम के पदाधिकारी है और काम नहीं करते हैं। अब संगठन में से उनको हटाया जायेगा। अब जो कार्य करेगा वो ही कांग्रेस में रहेगा।

जिला कांग्रेस को सड़कों पर संघर्ष करने की बातें बताते हुए कहा कि हमें हिन्दू होना साबित करने के कार्य करने की आवश्यकता नहीं, आवश्यकता भाजपा के फर्जी हिन्दुत्व के पोल खोलने की जरूरत है। जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस के सच्चे और समर्पित कार्यकर्ताओं का है। जो जिला कांग्रेस के साथ कांग्रेस पार्टी का कार्य करेगा, वो ही संगठन में राज करेगा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से ही संघर्ष के रास्ते को चुना और आज भी वही समय है जब हम सबको संघर्ष कर पार्टी को खड़ा करना होगा। प्रभारी शहर जगदीश चंद्र जांगिड़ ने कहा कि भाजपा देश में नफरत का माहौल बना रही है। हमें राहुल गांधी के संदेश को जन जन तक लेकर जाना है। बैठक में सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत, बी. डी. कल्ला ने शाल साफा और माला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया।

चंग धमाल पर फाल्गुन गीतों का समां बांधा

नोखा, (कासं)। होली टोली ग्रुप उत्तरादा बास द्वारा आयोजित होली चंग धमाल कार्यक्रम में लोगों ने परंपरागत फाल्गुन के रंग में रंग जमाया। कार्यक्रम की शुरूआत नोखा के मुख्य कलाकार श्याम भट्टड़ ने 'राजा बलि के दरबार मची रे होली' गीत से की।

ग्रुप के मनोज राठी और सुनील भट्टड़ ने बताया कि नोखा में लुप्त होती चंग धमाल परंपरा को बचाने के लिए होली टोली ग्रुप हर साल यह आयोजन करता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। धमाल गीतों के कलाकार भाई जीवण ने 'मोरियो मगरे रो..' गीत प्रस्तुत किया। रिज्या, राहुल सोनी, ललित डागा और महेश सोनी ने अपने नृत्य से समां बांधा। अरूण भट्टड़, राजू बोथरा, दिनेश तापड़िया, जेठू लाहोटी और रामकरण ने चंग बजाकर फाल्गुन गीत गाए और धमाल का आनंद लिया।

राजस्थान सरकार कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक:-नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपति सूचना** दिनांक:-9.3.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में चक 6ई छोटी मुरब्बा नं.22के किला नं.08 में माप 25इन्टू 50 फीट का पट्टा संख्या 6331 दिनांक 22.08.2017 को श्रीमती विजय लक्ष्मी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार के नाम जारी हुआ है। उक्त भूमि में से श्रीमती ज्योति पत्नी श्री तेज सिंह द्वारा उक्त भूखण्ड में से माप 12.6 इन्टू 50 फीट उत्तरी हिस्सा एवं श्रीमती विमला पत्नी श्री बलराम द्वारा माप 12.6 इन्टू50फीट दक्षिणी हिस्सा जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक18.07.2024 के द्वारा क्रय कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पट्टे एवं पंजीकृत बैयनामों का समर्पण कर भूखण्ड की लीज हस्तान्तरित करवाते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत:उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्तिमय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियोजन/2025/274 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-179 भूखण्ड माप 25'-0" गुणा 60'-0" फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पटटा सं. 4427 दिनांक 16.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-152 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पटटा सं. 4394 दिनांक 10.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पटटाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-179 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-152 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता को विक्रय किया गया है। श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता द्वारा भूखण्ड सं. ME-179 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1332 DT 31-01-2025 एवं भूखण्ड सं. ME-152 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1330 DT 31-01-2025 द्वारा जारी है। श्रीमती अनु गुप्ता द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ रूपांतरण करने हेतु निवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग मिश्रित आरक्षित है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10. 2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियोजन/2025/276 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-178 भूखण्ड माप 25'-0" गुणा 60'-0" फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पटटा सं. 4392 दिनांक 10.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-153 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पटटा सं. 4393 दिनांक 10.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पटटाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-178 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-153 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग को विक्रय किया गया है। श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा भूखण्ड सं. ME-178 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1328 DT 31-01-2025 एवं भूखण्ड सं. ME-153 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1329 DT 31-01-2025 द्वारा जारी है। प्रार्थीया श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ रूपांतरण करने हेतु निवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग मिश्रित आरक्षित है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10. 2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियोजन/2025/278 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-177 भूखण्ड माप 25'-0" गुणा 60'-0" फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पटटा सं. 4403 दिनांक 13.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-154 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पटटा सं. 4402 दिनांक 13.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पटटाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-177 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-154 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग को विक्रय किया गया है। श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा भूखण्ड सं. ME-177 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1334 DT 31-01-2025 एवं भूखण्ड सं. ME-154 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1331 DT 31-01-2025 द्वारा जारी है। श्रीमती सुषमा देवी गर्ग द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग मिश्रित आरक्षित है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10. 2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर